

- Q. Motivation, Elements of Motivation H.A. (M) 3-1
 अभिप्रेरण क्या है? क्या इसके तत्वों की व्याख्या करें?
 अभिप्रेरण दो बाह्य और दो अंतर्गत अवस्थाओं से होती है।
 जो व्यक्ति को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।
 मनोविज्ञान में अभिप्रेरण को एक काल्पनिक
 आंतरिक प्रक्रिया के रूप में जानते हैं जो व्यवहार करने
 के लिए शक्ति प्रदान करता है। एवं एक स्वयं
 उद्देश्य की ओर व्यवहार को ले जाता है।

Willing & Willing 1984 के अनुसार "अभिप्रेरण
 अवस्थाओं का एक स्वयं चला अभिप्रेरण है जो
 व्यवहार को सक्रिय करता है, निर्देशित करता है तथा
 किसी लक्ष्य की ओर व्यवहार को निरन्तर ले जाता है।"
 अभिप्रेरण व्यक्ति की एक आंतरिक अवस्था है
 जो प्रायः काल्पनिक होती है। उससे व्यक्ति में कुछ
 क्रियाएँ उत्पन्न होती हैं और एक विशिष्ट दिशा में उद्देश्य
 की प्राप्ति की ओर बढ़ता है। अभिप्रेरण व्यवहार उत्पन्न
 होने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति तक यह जारी रहता है।
 मनोवैज्ञानिकों ने अभिप्रेरण की व्याख्या
 स्पष्ट करने के लिए अभिप्रेरण-चक्र का
 प्रतिपादन किया है।

अभिप्रेरण-चक्र के तीन तत्व हैं जो क्रमशः हैं

(1) आवश्यकता Need

(2) प्रलोभन Drive

(3) प्रोत्साहन Incentive

(1) आवश्यकता

जब प्राणी के शरीर में किसी-चीज
 की कमी या अति की अवस्था किसी कारण से उत्पन्न
 हो जाती है तो उसे आवश्यकता कहा जाता है।
 Woodworth & Schlosberg (1954) ने आवश्यकता
 को परिभाषित किया है कि "कमी या अति
 की शारीरिक अवस्था को आवश्यकता कहा जाता है।"
 व्यवहार को उत्पन्न करता है। वे स्पष्ट हैं कि उमर
 शरीर को जो द्रव्य और पानी की कमी हो जाती है
 अतः महान् आवश्यकता पानी की कमी के
 कारण उत्पन्न हो। इस प्रकार की आवश्यकता को
 Tissue Need की संज्ञा दी जाती है।